UNIVERSITY NEWS 16 SEPTEMBER 2026

I NEXT

'जेन-जी इंटेलीजेंट है ये भी पहुंचे सकते स्पेस'

I NEXT

शुभांशु ने दिया अपने सपनों को लक्ष्य में बदलने का मंत्र

विद्यार्थियों में दिखा उत्साह

याद्गार रहा एक्सपीरियंस

किताबों के रूप पर अंतरिक्ष की कहानी

AMRIT VICHAR

विधिक कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागी और संबोधित करते विशेषज्ञ।

विधिक जागरुकता कार्यशाला आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की प्रतिष्ठित संस्था विधिक सहायता केंद्र व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में विधिक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013" था। इस कानून ने भारतीय महिलाओं को कार्यस्थल पर अपने अधिकारों के लिए खड़े होने में सक्षम बनाया है और यह किसी भी भेदभाव और शोषण से मुक्त, अधिक न्यायसंगत और उचित कार्यस्थल वातावरण बनाने में एक अहम कदम है। कार्यशाला में प्रो. आरके वर्मा, प्रो. अभिषेक कुमार तिवारी, प्रो. एके सोनकर की उपस्थिति रही।

HINDUSTAN TIMES

{ GOMTI BOOK FESTIVAL }

Space launch felt like entering exam hall: Shubhanshu Shukla

HT Correspondent

letters@htlive.com

LUCKNOW: The first moments of space travel feel like entering an exam hall—the mind goes blank despite knowing everything, said Group Captain Shubhanshu Shukla, sharing his journey at Lucknow University on Tuesday.

He was speaking at the Gomti Book Festival organised by National Book Trust.

He said that enthusiasm and fear co-exist, but mental strength helped him move forward. He compared microgravity life—increased height, floating water droplets, weakening muscles needing daily exercise—to challenges on Earth.

At the session 'Dreams flight from earth to space' on the third day of the festival, he launched his book 'The Second Orbit' and Indian astronaut Rakesh Sharma congratulated him via video message.

Shubhanshu Shukla at the Gomti Book Festival in Lucknow , on Tuesday HT PHOTO

Shukla said the view of Earth from space changes one's thinking. "No country, city or border is visible, only a beautiful, integrated Earth," he said.

NBT

'जो नामुमकिन है, वही सबसे बड़ी उपलब्धि बन जाता है'

गोमती पुस्तक मेले में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने युवाओं के साथ साझा किए अपने अनुभव

न देश दिखता है, न कोई सरहद

एक ही ग्रह के निवासी

एलियन का उदाहरण

एग्जाम हॉल जैसा था अंतरिक्ष जाने का डर

बटन दबाइए उल्लू सो जाएगा, स्कैन कीजिए कैरेक्टर गाएगा!

1. AR तकनीक

2. एकलव्य पिटारा

3. 'हैप्पी हनुमान'

NBT

LU में सजी गीतों और गजलों की महफिल

NBT रिपोर्ट, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (LU) के हिंदी विभाग और काव्योम फाउंडेशन द्वारा आयोजित साहित्यिक समारोह 'क्षितिज' का मंगलवार को देर शाम कवि सम्मेलन के साथ समापन हुआ। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य मे आयोजित इस समारोह के अंतिम दिन गीत, गजल और कविताओ से सजी महफिल देर रात तक जमी रही, जिसमे नामचीन कवियो ने अपनी रचनाओ से शाम को यादगार बना दिया। इनमे लेखक पंकज जीना से रचनात्मक लेखन पर संवाद, 'द माचोबर्ड' टीम के साथ परिचर्चा और अमृता प्रीतम की प्रसिद्ध कृति 'जड़ी-बूटी' का पाठ विशेष आकर्षण रहे।

HTC

Arts College PhD students to benefit from scholarship scheme

LUCKNOW: PhD students at College of Arts and Crafts, Lucknow University, who are not receiving JRF will get Rs 5,000 per month under Shodh Medha scholarship scheme. Principal in-charge Alok Kumar Kushwaha announced this at a special orientation programme held under mentor-mentee programme for freshers on Tuesday. BVA first year, MVA first year and PhD first year students participated in the event.

AMRIT VICHAR

गोमती पुस्तक महोत्सव | पुस्तकों से लेकर कविताओं तक सजा साहित्यिक संसार

महोत्सव में दिखी मनचाही पुस्तक ढूंढने की ललक

शुभांशु शुक्ला की पुस्तक का लोकार्पण

कविताओं ने जगाई बचपन की यादें

UNIVERSITY NEWS 16 SEPTEMBER 2026

I NEXT

साहित्य, सिनेमा और कविता के संवाद के साथ हुआ 'क्षितिज 5.0' का समापन

कवियों ने अपनी प्रस्तुति से जीत लिया दर्शकों का दिल.

कवि सम्मेलन के साथ समाप्त हुआ हिंदी पखवाड़ा

LUCKNOW (15 Sep): हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, एलयू एवं काव्योम फाउंडेशन के तत्वावधान में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 15 दिवसीय 'क्षितिज 5.0' का अंतिम दिवस साहित्य, सिनेमा, कहानी और कविता से जुड़े विविध कार्यक्रमों के साथ संपन्न हुआ. उत्तर प्रदेश के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों को साहित्य, रंगमंच और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने वाली इस राज्यस्तरीय पहल के अंतिम दिवस पर साहित्यकारों, कलाकारों और कवियों ने संवाद एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी रचनात्मक सहभागिता दर्ज कराई.

'हिंदी जोड़ने वाली भाषा है'

कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी विभागाध्यक्ष पवन अग्रवाल के संबोधन से हुई. उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी जोड़ने वाली भाषा है, जो समाज के विभिन्न वर्गों, क्षेत्रों और संस्कृतियों के बीच संवाद का माध्यम बनती है. उन्होंने युवाओं को हिंदी भाषा और साहित्य से जोड़ने तथा रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच उपलब्ध कराने वाले ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया.

VOICE OF LUCKNOW

गोमती पुस्तक महोत्सव में गूंजी अंतरिक्ष की उड़ान की कहानी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की ओर से आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव में मंगलवार को साहित्य, विज्ञान, समकालीन विमर्श और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा हुई। दिन की शुरुआत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के प्रेरक संवाद से हुई। इसके बाद दोपहर के सत्र में नरेंद्र मोदी और बनारस से जुड़े विमर्श, बाल साहित्य और पर्यावरण संरक्षण पर चर्चा हुई, जबकि शाम को कवि सम्मेलन में कविता, स्मृतियों और हास्य-व्यंग्य ने माहौल को साहित्यिक रंग दिया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की ओर से आयोजित गोमती पुस्तक महोत्सव में मंगलवार को ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ विशेष संवाद सत्र धरती से अंतरिक्ष तक सपनों की उड़ान आयोजित किया गया। इस अवसर पर उनकी अंग्रेजी पुस्तक द सेकेंड ऑर्बिट का लोकार्पण उन्होंने अपने परिजनों के साथ संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने वीडियो संदेश से शुभांशु शुक्ला की पुस्तक और उनकी अंतरिक्ष यात्रा की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। पुस्तक के लोकार्पण के बाद शुभांशु शुक्ला ने छात्र-छात्राओं से संवाद किया और अपने बचपन, शिक्षा, भारतीय वायुसेना में सेवा, प्रशिक्षण तथा अंतरिक्ष तक पहुंचने की पूरी यात्रा के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखने के बाद इंसान की सोच और नजरिया पूरी तरह बदल जाता है। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष से न कोई देश दिखाई देता है, न कोई शहर और न ही कोई क्षेत्रीय सीमा। वहां से केवल एक सुंदर और एकीकृत पृथ्वी दिखाई देती है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि यदि अंतरिक्ष में कोई एलियन उनसे पूछे कि वे कहां से आए हैं और वे अपने शहर या देश का नाम बताएं, तो शायद वह उसे न समझ पाए। लेकिन यदि वे कहें कि वे पृथ्वी से आए हैं, तो वह बात तुरंत समझ में आ जाएगी।

कविताओं ने जगाई बचपन की यादें, हास्य-व्यंग्य से गूंजा मंच: मंगलवार की शाम आयोजित कवि सम्मेलन में कविता, संवेदना, स्मृतियों और हास्य-व्यंग्य का रंग देखने को मिला। कवयित्री पद्मिनी शर्मा ने मां सरस्वती की वंदना से कवि सम्मेलन का शुभारंभ किया। इसके बाद कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से जीवन के विविध अनुभवों को श्रोताओं के सामने रखा। कवि चेतन चर्चित ने घर और परिवार के महत्व को रेखांकित करते हुए बचपन की छुट्टियों और आज की जिंदगी के बीच का फर्क सहज अंदाज में प्रस्तुत किया। उनकी बात–हृबचपन में छुट्टी होते ही घूमने जाने का मन करता था, लेकिन अब छुट्टी मिलते ही घर जाने का ख्याल आता हैहृ–ने श्रोताओं को भावुक कर दिया। कवि राजेश अग्रवाल ने बचपन की निश्छल यादें और जीवन की सच्चाइयों को अपनी भावपूर्ण रचनाओं में पिरोया। उनकी प्रस्तुति पर सभागार तालियों से गूंज उठा। शाम के सत्र में हास्य कवि शंभू शिखर ने समकालीन राजनीति और सामाजिक घटनाक्रम पर हास्य-व्यंग्य के तीखे तड़के से खूब मनोरंजन किया। उनकी चुटीली प्रस्तुतियों पर श्रोता ठहाके लगाते नजर आए। अन्य कवियों की रचनाओं ने भी शाम को साहित्यिक और मनोरंजक रंग प्रदान किया।

THE PIONEER

'A flight of dreams' with Shubhanshu

PIONEER NEWS SERVICE
Lucknow

It was 'a flight of dreams from Earth to Space' for schoolchildren as Group Captain Shubhanshu Shukla shared the experiences of his space mission with them at the Gomti Book Festival on Tuesday.

Interacting with the excited schoolchildren in an interactive session, 'A Flight of Dreams from Earth to Space', Shubhanshu shared with them the experiences from his childhood, education, service in the Indian Air Force, training and the journey that eventually took him into space.

He told the students that India was continuously taking its space programme to new heights.

"The country is preparing for the Gaganyaan mission and has also set its sights on moving towards a future Indian human mission to the Moon," he said.

Shubhanshu said the next Indian to go to the Moon could be from Lucknow. He told the students that for this to happen they had to begin working hard right now and it would eventually bring in results in the next 14 years.

"Whatever you do today, will decide what will happen with you tomorrow," he said.

He told the students that astronauts were ordinary human beings like everyone and do not possess any magical powers. "The difference lies only in their thinking, dreams and determination to achieve the dreams," he said.

He said that seeing Earth from space completely changed a person's perspective and way of thinking.

"From space, no country, city or regional boundary is visible; instead, what one sees is a beautiful and integrated Earth," he said.

He said looking at Earth from space made one realise how small the boundaries drawn on the planet were and that all human beings were inhabitants of the same planet.

He pointed out that during the stay in space, the body and daily routine undergo several changes. Because of microgravity, a person's height can increase slightly, with the body gradually returning to its normal state after returning to Earth.

The way of sitting, standing and moving around is also very different from life on Earth.

Prolonged stays in space, he pointed out, also affect the muscles and after returning to Earth, the body takes time to readjust to gravity. Initially, even walking, sitting and lying down can feel uncomfortable.

He said returning to Earth from space was also an important personal experience for him. During the session, Shubhanshu's book, 'The Second Orbit', was formally launched.

HINDUSTAN

साहित्य, सिनेमा, संवाद संग समापन

क्षितिज 5.0

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता । लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग एवं काव्योम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय 'क्षितिज 5.0' का समापन साहित्य, सिनेमा, कहानी और कविता से जुड़े कार्यक्रमों के साथ हुआ। अंतिम दिन लेखक पंकज जीना से संवाद, द माचोबर्ड टीम के साथ चर्चा, अमृता प्रीतम की कहानी 'जड़ी-बूटी' का पाठ और कवि सम्मेलन आकर्षण रहे।

एलयू में क्षितिज के अंतिम दिन मंगलवार को लेखकों ने पाठकों से संवाद किया।

शुरुआत हिंदी विभागाध्यक्ष पवन अग्रवाल के संबोधन से हुई। उन्होंने हिंदी को समाज और संस्कृतियों को जोड़ने वाली भाषा बताते हुए युवाओं को साहित्य से जोड़ने के लिए ऐसे आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। पहले सत्र में लेखक पंकज जीना ने जय जी के साथ लेखन, यात्राओं, स्मृतियों और रचनात्मकता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि नए अनुभव और भ्रमण ठहरी हुई रचनात्मकता को फिर गति देते हैं।

दूसरे सत्र में द माचोबर्ड टीम के ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, अनन्या ठाकुर और नवल किशोर ने हिंदी साहित्य और सिनेमा के संबंध पर विचार साझा किए। इसके बाद कथारंग फाउंडेशन की पुनीता अवस्थी और अनुपमा शरद ने 'जड़ी-बूटी' का सजीव पाठ किया। अंतिम सत्र में प्रो. अब्बास रजा नय्यर 'जलालपुरी' की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन हुआ। विभिन्न कवियों की प्रस्तुतियों के साथ समारोह का समापन हुआ।

HINDUSTAN

पीएचडी नॉन-जेआरएफ को मिलेगा ₹5000 वजीफा

- विशेष ओरिएंटेशन में छात्रों को दी जानकारी
- फ्रेशर के लिए किया गया कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट में पीएचडी करने वाले ऐसे छात्रों को आर्थिक सहायता दी जाएगी, जिन्हें जेआरएफ छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है। कॉलेज के प्रिंसिपल इंचार्ज आलोक कुमार कुशवाहा ने फ्रेशर्स के लिए आयोजित विशेष ओरिएंटेशन कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शोध मेधा छात्रवृत्ति योजना के तहत पात्र नॉन-जेआरएफ पीएचडी छात्रों को 5,000 का वजीफा दिया जाएगा। कॉलेज में मंगलवार को मेंटोर-मेंटी प्रोग्राम के तहत फ्रेशर्स के लिए विशेष ओरिएंटेशन आयोजित किया गया।

अतुल हुंडू के संचालन में हुए कार्यक्रम में डॉ. रविकांत पांडेय, विभावरी सिंह, अमरनाथ गौर, अजय कुमार, संजय कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

UNIVERSITY NEWS 16 SEPTEMBER 2026

HINDUSTAN

लखनऊ के अंतरिक्ष यात्री ने गोमती पुस्तक महोत्सव में विद्यार्थियों से किया संवाद

रॉकेट लॉन्च के दौरान शरीर पर पड़ा दबाव कल्पना से ज्यादा थाः शुभांशु

पुस्तक मेला

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। अंतरिक्ष में इंसान का वजन भले ही शून्य हो जाता है लेकिन वहां एक हजार किलो वजन भी आसानी से उठाया जा सकता है। वहीं धरती पर लौटने ही अंतरिक्ष यात्री की आदतें साथ छोड़ देती हैं। अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने मंगलवार को एलयू में गोमती पुस्तक महोत्सव में विद्यार्थियों से संवाद के दौरान अंतरिक्ष के अनुभव साझा किए। धरती से अंतरिक्ष तक सपनों की उड़ान विषय पर संवाद करते हुए उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में चीजें नीचे नहीं गिरतीं। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से लौटने के बाद उन्होंने लैपटॉप उठाकर छोड़ दिया तो वह जमीन पर गिर गया। कुछ पल के लिए उनका दिमाग अब भी अंतरिक्ष में था। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष में वजन शून्य होने के कारण भारी से भारी चीज को भी आसानी से उठाया जा सकता है। सोशल मीडिया इंफ्लुंएसर मारूफ कलमेन ने शुभांशु शुक्ला के साथ संवाद किया।

शुभांशु ने बताया कि रॉकेट लॉन्च के दौरान शरीर पर पड़ने वाला दबाव उनकी-कल्पना से कहीं अधिक था। ऐसा लगता है जैसे सीने को कोई दबा रहा हो और सांस लेने में भी परेशानी हो रही हो।

अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला मंगलवार को एलयू में गोमती पुस्तक महोत्सव में अपनी पुस्तक सेकेंड ऑरबिट के साथ, उन्होंने युवाओं के साथ संवाद भी किया।

द सेकंड ऑर्बिट में शुभांशु ने साझा की अपनी कहानी

पुस्तक महोत्सव में शुभांशु शुक्ला की किताब सेकेंड ऑर्बिट का विमोचन हुआ। इस किताब में शुभांशु ने अपनी यात्रा को साझा किया है और लोगों को अंतरिक्ष एवं खगोल विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। उनका मानना है कि हर जगह जाकर लोगों से मिलना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। यह किताब उस अनुभव को साझा करने में मददगार होगी।

2002 के बाद जंक फूड नहीं खाया, छोड़ दिए समोसे

एस्ट्रोनॉट बनने के लिए सबसे बड़ा त्याग क्या करना पड़ा? एक बच्चे के इस सवाल पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने मुस्कुराते हुए कहा कि शर्मा के समोसे छोड़ने पड़े। उनके इस जवाब पर बच्चों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने समझाया कि बड़ी मंजिल को हासिल करने के लिए त्याग करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि 2002 के बाद से उन्होंने जंक फूड नहीं खाया।

अंतरिक्ष में कद बढ़ता, दिल छोटा हो जाता

शुभांशु ने कहा कि कुछ पल के लिए वह भी सब भूल गए, ठीक वैसे ही जैसे परीक्षा कक्ष में प्रश्नपत्र देखते ही दिमाग खाली हो जाता है। उन्होंने बच्चों को बताया कि अंतरिक्ष में चेहरा बड़ा और कद बढ़ जाता है, हृदय छोटा हो जाता है। उन्होंने कहा कि धरती पर लौटने पर कद और हृदय का आकार पहले जैसा हो जाता है।

जेन जी और जेन अल्फा इतिहास बनाएंगे

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि देश की जेन जी और जेन अल्फा पीढ़ी बेहद समझदार है। यह पीढ़ी इतिहास बनाएगी। उन्होंने कहा कि वह खुद क्लासरूम से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुंचे हैं, इसलिए आज क्लासरूम में बैठा कोई भी छात्र अंतरिक्ष या अपनी किसी भी मंजिल तक पहुंच सकता है।

HINDUSTAN

एलयू में लोकतंत्र दिवस पर क्विज हुई

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के मौके पर लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग ने डीपीए ऑडिटोरियम में एक क्विज प्रतियोगिता कराई। इसका विषय था रस्वतंत्रता से गणराज्य तकः भारत का स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान। कार्यक्रम कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी की देखरेख में हुआ। इसमें विभागाध्यक्ष प्रो. वैशाली सक्सेना और विशिष्ट अतिथि प्रो. एम. प्रियदर्शिनी (सेवानिवृत) मौजूद रहीं। शुरुआत प्रो. सक्सेना के स्वागत भाषण से हुई।

पत्रकारिता का काम जागरूक करना हैः विजयदत्त

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में 'हिंदी पत्रकारिता के दो सौ वर्ष' कार्यक्रम के दूसरे दिन वरिष्ठ पत्रकार विजयदत्त श्रीधर ने पत्रकारिता पर विचार रखे। वे भोपाल के माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय के निदेशक हैं। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का असली काम समाज को सूचना देना, शिक्षित करना और लोगों की भलाई से जुड़ना है। उनके अनुसार पत्रकारिता को न सत्ता पक्ष के साथ होना चाहिए, न विपक्ष के साथ बल्कि जनहित के लिए काम करना चाहिए।

AMAR UJALA

विशाखा कमेटी के दिशा-निर्देश बताए

लखनऊ। लखनऊ विवि के विधिक सहायता केंद्र और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने द्वितीय परिसर में विधिक जागरूकता कार्यशाला का मंगलवार को आयोजन किया गया। इसका विषय था कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न- रोकथाम, निषेध और निवारण। विशिष्ट अतिथि प्रो. एके सोनकर रहे। ओजस्वी सिंह ने भंवरी देवी की कहानी और विशाखा कमेटी के दिशा-निर्देशों का वर्णन किया। प्रो. आरके वर्मा, प्रो. अभिषेक तिवारी, अनुश्री भारती और निमिता गर्ग मौजूद रहीं। वहीं, आर्ट्स कॉलेज में मंगलवार को नए विद्यार्थियों के लिए एक विशेष ओरिएंटेशन कार्यक्रम में बीवीए, एमवीए और पीएचडी प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया। (माई सिटी रिपोर्टर)

क्विज में महानदी टीम ने मारी बाजी

लखनऊ। लविवि के लोक प्रशासन विभाग ने अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर एक क्विज का आयोजन किया। इसका विषय था स्वतंत्रता से गणराज्य तक : भारत का स्वतंत्रता आंदोलन और संविधान। लोक प्रशासन विभाग की अध्यक्ष वैशाली सक्सेना और विशिष्ट अतिथि एम. प्रियदर्शिनी की मौजूदगी में विभिन्न विभागों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतिभागियों को चार टीमों कृष्णा, कावेरी, गोदावरी और महानदी ने प्रतिभाग किया। महानदी टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

काव्य प्रस्तुतियों से किया मंत्रमुग्ध

लखनऊ। हिंदी दिवस पखवाड़े के अंतर्गत लखनऊ विवि के हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, काव्योम फाउंडेशन और संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। इसी दिन लखनऊ विश्वविद्यालय और काव्योम फाउंडेशन द्वारा आयोजित 15 दिवसीय क्षितिज 5.0 हिंदी पखवाड़े का समापन भी हो गया।

कवि सम्मेलन में अजय प्रधान, अशोक अज्ञानी और शिवकुमार व्यास सहित कई कवियों ने अपनी काव्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। कृष्ण कुमार मौर्य 'सरल', राघवेंद्र मिश्र 'प्रणय' और अशोक अग्निपथी ने हिंदी के संस्कार-पक्ष को अभिव्यक्त किया। राज्य ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मुख्य अतिथि रहे। हिंदी विभाग के अध्यक्ष पवन अग्रवाल मौजूद थे, अध्यक्षता अब्बास रजा नैय्यर ने की। समापन समारोह में साहित्य, सिनेमा और कविता पर केंद्रित विविध कार्यक्रम हुए। लेखक पंकज जीना ने संस्था अध्यक्ष जय के साथ रचनात्मकता पर संवाद किया। द माचोबर्ड टीम ने हिंदी साहित्य और सिनेमा के संबंध पर चर्चा की। कथारंग फाउंडेशन ने अमृता प्रीतम की कहानी 'जड़ी-बूटी' का सजीव पाठ प्रस्तुत किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMAR UJALA

बड़े सपने देखने से न डरें, कड़ी मेहनत करें

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ से शुरू हुआ एक सपना अंतरिक्ष तक पहुंचा और वहां से पृथ्वी को देखने का नजरिया भी बदल गया। अंतरिक्ष से न कोई देश, शहर और न ही क्षेत्रीय सीमा दिखाई देती है, सिर्फ एक सुंदर और एकीकृत पृथ्वी नजर आती है। गोमती पुस्तक महोत्सव में मंगलवार को 'धरती से अंतरिक्ष तक सपनों की उड़ान' विषय पर आयोजित संवाद में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अपनी यात्रा साझा करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि बड़े सपने देखने से न डरें और उन्हें पूरा करने के लिए लगातार मेहनत करते रहें।

'द सेकेंड ऑर्बिट' का हुआ लोकार्पण, राकेश शर्मा ने वीडियो संदेश से दीं शुभकामनाएं

लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे महोत्सव में शुभांशु शुक्ला की अंग्रेजी पुस्तक 'द सेकेंड ऑर्बिट' का लोकार्पण किया गया। इस दौरान उनके परिजन भी मौजूद रहे। भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने वीडियो संदेश के जरिये पुस्तक और शुभांशु की अंतरिक्ष यात्रा की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। शुभांशु ने विद्यार्थियों को अपने बचपन, शिक्षा, भारतीय वायुसेना में सेवा, प्रशिक्षण और अंतरिक्ष तक पहुंचने की यात्रा के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि लखनऊ से शुरू हुई उनकी यात्रा अंतरिक्ष तक पहुंची।

गोमती पुस्तक महोत्सव में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के कार्यक्रम में मौजूद स्कूल के छात्र। -अमर उजाला

■ किताबों का जादू कायम : डिजिटल दौर में मोबाइल और ई-बुक्स के बढ़ते चलन के बीच युवाओं में साहित्य के प्रति रुचि कायम है। महोत्सव में युवा स्वामी विवेकानंद के जीवन-दर्शन, रामचरितमानस, उपन्यास, कविता और अन्य साहित्यिक पुस्तकों में रुचि दिखा रहे हैं। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर अशोक धनखड़ ने बताया कि राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय ऐप से जुड़े पाठकों की संख्या में यूपी 79,549 उपयोगकर्ताओं के साथ देश में पहले स्थान पर है। महाराष्ट्र 46,591 और दिल्ली 43,989 उपयोगकर्ताओं के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। ऐप पर गोदान 21,653 और श्रीरामचरितमानस 14,731 बार डाउनलोड की गई। ऐप में पिछले वर्ष 3500 फ्री ई-बुक्स थीं, अब इनकी संख्या 7000 से अधिक है।

महोत्सव में एफएसएसएआई और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्टॉल पर फूड सेफ्टी ऑफिसर आजाद कुमार और प्रीति वर्मा ने स्थानीय-मौसमी खाद्य पदार्थ, प्लास्टिक का कम इस्तेमाल और भोजन में कम रसायनों के उपयोग की जानकारी दी। लविवि के परास्नातक छात्र विवेक पांडेय ने बताया कि 'ईट राइट इंडिया थाली' पुस्तक में अवधी के साथ देश के विभिन्न राज्यों के स्वस्थ व्यंजनों की जानकारी मिली।

DAINIK JAGRAN

जेन-जी व जेन-अल्फा बहुत स्मार्ट और इंटेलीजेंट, ये भी पहुंच सकते अंतरिक्ष : शुभांशु

DAINIK JAGRAN

कालजयी कृतियों में हर वर्ग के पन्ने

'गोदान', 'गबन', 'गुनाहों का देवता' और 'सूरज का सातवां घोड़ा' जैसी कृतियों की मांग

बच्चों के लिए लिखते समय मन, रुचियों और परिवेश को समझें

DAINIK JAGRAN

क्षितिज में साहित्य, सिनेमा और काव्य रस का संगम

DAINIK JAGRAN

श्रीलंका की गायिका लवि से करेगी पत्रकारिता में पीएचडी

जासं • लखनऊ : श्रीलंका की लोकप्रिय गायिका व अभिनेत्री चंपा कलहरी जयसेकरा लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग से पीएचडी करने जा रही हैं। उन्होंने आवेदन किया है। वह भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय से संगीत की शिक्षा ले चुकी हैं। कलहरी का जन्म 1974 में कोलंबो में हुआ था। अब तक उनके 15 से अधिक एल्बम आ चुके हैं। विश्वविद्यालय के प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि जब कोई विदेशी विद्यार्थी प्रवेश के लिए आवेदन करता है, तो उसकी जांच की जाती है। उनका आवेदन भी प्राप्त हो चुका है। अब आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

चंपा कलहरी • इंटरनेट मीडिया

TIMES OF INDIA

Ghalib & Faiz favourites as patrons of poetry flock Urdu stalls at book fair

Times News Network

Lucknow: From young readers picking up poetry collections to seasoned literature lovers searching for classic ghazals, Urdu has carved out a strong presence at the Gomti Book Festival.

The Urdu stalls are attracting enthusiastic crowds, with poetry, novels, dictionaries and works of celebrated poets emerging among the most sought-after books.

"The response has been much better than we expected. Poetry collections, particularly books of Ghalib, Faiz and Iqbal, are selling well. We are also seeing many young visitors asking for Urdu-Hindi dictionaries and books that can help them read Urdu," said Urdu book stall coordinator Aamir Khan.

MOVED BY MUSE: Urdu bookstalls at Gomti Book Festival attract enthusiastic crowds, with poetry, novels, dictionaries and works of celebrated poets emerging among the most sought-after books

Among the books attracting readers are 'Diwan-e-Ghalib' by Mirza Ghalib, 'Nuskha-e-Wafa' by Faiz Ahmed Faiz, 'Lihaaf' by Ismat Chughtai and 'Toba Tek Singh' by Saadat Hasan Manto. Visitors are particularly looking for poetry, ghazals and Urdu prose, while Urdu dictionaries are also being picked up by those keen to learn the language.

"The Urdu stalls have recorded a footfall of around 1,500 visitors, with 'Diwan-e-Ghalib' emerging as one of the best-selling titles. Poetry collections, ghazals and books on Urdu literature are attracting the most buyers," said Mohammad Arif, Urdu book stall coordinator.

Ayesha Khan, a student, said she has long admired Ghalib's poetry and decided to buy his collection at the festival, adding that Urdu poetry continues to appeal to her for its emotional depth and timeless quality. "I came looking for books by Faiz Ahmed Faiz but ended up buying an Urdu dictionary as well. I can understand spoken Urdu, but I want to learn to read the language properly," said a visitor Sameer Singh.

TIMES OF INDIA

Next Indian moonwalker could be from Lucknow: Shubhanshu at book festival

Anjanaya Singh | TNN

Lucknow: Recalling the physical, emotional and psychological challenges of living in space, astronaut Group Captain Shubhanshu Shukla on Tuesday said the next Indian to walk on the Moon could well be from Lucknow, as India advances its human spaceflight ambitions under the Gaganyaan programme and plans for Bharatiya Antariksh Station.

Addressing students during "The Second Orbit" session at the Gomti Book Festival, Shukla shared his experiences from the 20-day stay aboard International Space Station (ISS) during the Axiom-4 mission in 2025.

"I reached space in 2025, but the individual who walks on the Moon by 2040 might be from Lucknow again," he said.

LUCKNOW'S PRIDE

Explaining how microgravity affects the human body, Shukla said his face swelled, his heart became smaller, his spine stretched and he temporarily grew nearly five inches taller during his stay in orbit. "When your body arrives in orbit, fluids move upwards from the legs towards the torso and head, causing swelling on the face. The heart also undergoes changes, becoming smaller as it no longer needs to work against gravity to circulate blood," he said.

He also described the dramatic changes in strength and weight perception in space. With weight effectively reduced to zero in microgravity, astronauts can easily move objects weighing hundreds of kilograms on Earth. However, the absence of gravity causes rapid muscle loss, making physical exercise essential.

"Once you are in space, muscles no longer need to constantly work against gravity. They lose strength rapidly. Hence, astronauts devote about two hours every day to exercise, combining cardiovascular and resistance training," he said.

For Shukla, however, the most profound impact of space travel was emotional. Showing students videos and photographs captured from orbit, he said Earth appears as a single, borderless world from space.

"You see the Earth as one planet, moving and rotating beneath you, and there are no borders visible from space. There is only one home, Earth," he said, displaying images of India illuminated by city lights, lightning flashes and the snow-clad Himalayas.

Shukla also recounted the intensity of launch and re-entry. The spacecraft accelerated from zero to nearly 28,500 kmph and reached an altitude of around 200 km in just eight and a half minutes, subjecting him to extreme forces that made breathing difficult.

During re-entry, the vehicle endured temperatures of nearly 4,000°C outside while the cabin remained comfortable due to its thermal protection system. After splashdown, he required nearly eight days to fully readjust to life under Earth's gravity.